Raga of the Month July 2024 Raga HindolBahar राग हिंडोलबहार

राग हिंडोलबहार। रागके नामसेही हम तर्क लगा सकते हैं की यह राग हिंडोल और बहार रागोंके संयोग से निर्माण हुआ है। इस राग में दोनों गंधार, दोनों मध्यम और दोनों निषाद लगते हैं ; बाकी स्वर शुद्ध हैं । यह राग अप्रचलित होने के कारन कम सुननेमें आता है। प्रथितयश गायक वादक ही ऐसे संयुक्त राग सादर करते है। हिंडोल और बहार रागों का जोड़ हरेक कलाकार अपनी उच्च कोटीकी संगीत प्रतिभा से (Musicianship) करता है। दोनों राग उत्तरांगप्रधान हैं। दोनों रागांगोंका मिलाप कलाकार अपनी प्रतिभासे अनेक प्रकारोंसे करके रागका रंजक रूप सादर करते हैं।

आज के ऑडियो में हम राग हिंडोलबहार की पाँच रचनायें सुनेंगे। पहले श्रीमती वरदा गोडबोले ने गायी हुई पंडित यशवंत महाले रचित "डार डार कोयलिया उड़त" बंदिश सुनेंगे, बादमें पंडित दिनकर कैकिणीने गायी हुई पंडित गोविंद नारायण नातू रचित बंदिश " सुन्दर बेला मनोहरी " सुनेंगे। । उसके बादमें पंडित के जी गिंडेजी से आचार्य श्री ना रातंजनकर रचित "देखो सखी कान्ह" यह बंदिश सुनेंगे। तत्पश्चात प्रोफेसर बी आर देवधरजीने गाया हुआ ख्याल सुनेंगे और अन्तमे उस्ताद बड़े गुलाम अली खाँ ने गायी हुई द्रुत बंदिश सुनेंगे।

संदर्भ : "रागनिधी " भाग २ - प्रोफेसर बी सुब्बाराव

आभार : श्री अजय गिंडे, पंडित यशवंतबुवा महाले

01-07-2024

Link to the list of 160+ "Raga of the month" articles

@ Archive of ROTM Articles - https://oceanofragas.com/Raga_Of_Month_Alphabetically.aspx